

199-
Medical
mantras

I	३३२
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमामि श्रुता धारया ॥ अथ वक्रधन ४ हीमान् दूदनि उम कयन ४
 तिलाका विजयि वीरा गुञ्ज गालिहा म्वन ४ ॥ विवृद्ध यूछु काक्ष
 आलू लू कमरातन ॥ आलालयव ऊवर्न ॥ स्वकल हा मूद्र मूद्र
 ४ ॥ एकु मितल गै प्रमूर्ख ॥ नन नैव ॥ ४ ॥ दूदनि दम
 के विने ॥ विलविह ललु यिहि ॥ ४ ॥ कल ॥ प्रसूल

वज्रका निहि ४ ॥ यहायाय म ॥ ४ ॥ कलेयनो
 रुद्र उका हाये मदिने ॥ काधाव ॥ ४ ॥ वृद्ध कयक
 प्रेनाये ॥ साद्व मुहा कु विगुहे ॥ यहा मय थस मूद्र ॥ रगवर्न
 गथागग मू ॥ कृगा ॥ लियूहा रत्ना ॥ दमा रुहिता ॥ ४ ॥

५	६	७	कूक मन्त्र यनुन ललय प्रसयाया व
८	९	१०	कायायक ॥ कायया ॥ समकया ॥ न काश
११	१२	१३	आका विहल मान ॥ ॥

महल राजवधू पथ

कालसार

दय
मय

कदा
च

क द्य
व

२३

नगं इति धवतहिद ॥ ० ॥ ॐ नमः कविनाथ माहात्म्य
गीतिन कया कवचि ॥ अहलन हारुहृह स्वाहा ॥ ॥ न का
यका ॥ किञ्च यत्र पाव ॥ कुडुलसनी भव दाय मनु ॥ श्रव
॥ ० ॥ ॐ नमः लन गियाय ॥ नमो च दवजका धाय
रुद्र ॥ निरुद्र ॥ श्वयवन्ध ॥ रुद्र ॥ अमर ॥ रुद्र ॥ वज्र विदालन

माव
दाम
पु

मरु
कु
नया

॥ ॥ अल ३ उकायका ॥ ॥ पाव ॥ बालकयक ॥
मालकदनमनु ॥ ० ॥ ॥ अंताप्रयुक्तमालद्यालविवाले
रुदवि किनागलेह ॥ जयदव वनयसाद ॥ गुरुश्रीहा ॥ ॥
सुपत वनगयाव ॥ स्वयाल ॥ अपनयाव ॥ स्वथथथदाव ॥
द्रुसल दाय ॥ द्रुगर्गुलिदादावगशला ॥ लथथयमनु
॥ मथथानत्रिसयमनु ॥

प

शला ॥ ० ॥ ॐ ध्यात्रे ध्यातुं माहाध्यातु नमः म धांत न धात्रे
 लक्ष्मणन्यावक्तुनाद विप्रक्षिप्त ध्यातु स्वाहा ॥ ॥ धांत ३ दंत
 पात्राहातसु ॥ नुल नयाव ॥ जय तया ॥ धव कलयय ॥ गण वनसं
 रुयमदा ॥ ० ॥ ॐ गुकू आह्वाग्वत्रावस्वामि ॥ आग्यविष्य
 मग्य ग्ववागसिद्ध धालसाय ॥ विविचयु कार्य कीर्य ॥ दाधवन्ध्र

रुय
 मदे

दिसिति वधू ॐ ध्वलवाया ॥ ॥ ॐ ध्वल धशुल वसवाह ध
 ल धशुल ॥ कूनक्षियाव ॥ जयत्रया ॥ धाल ३ धमवाकाहस
 हात्रशत्रा ॥ याकान वाहायाय रुयमदाशत्रा ॥ ० ॥ ॥
 ॐ धिलक नु वासनि ॥ धविस्वय धालनि ॥ सध्वमुदुनू रुगवि
 मय रुनहि ॥ कादिगत्र २ स्वाहा ॥ ॥ ॐ नसक दयिव ॥

रुय
 मदे

वास
 माय

हाकदयित वलिविय थरुल बा लागी थरुल कि हापियाव वा
 लिस काय बुंहालकाग रिद शला ॥ ० ॥ उंवातका मालि
 नकदि का शत्रु कस्तु अथगुनू वाव सिद्धि द्वियत्र मय्यल गुनू
 आहा ॥ ॥ माल थगान संपादगसा थमनुन पत्रपाव
 धाल ३ थस खान पूय मयूया गसा रुयमदा ॥ ॥
 हृदयं अंर्यं किर्यं स्वाहा ॥ ॥ थमनुन मालेनस्य वया संपादस

कय
 लक्ष

हयम
 ३

लीखजपत्रयामनु ॥ धालन ॥ थमनु रिद शला ॥ ० ॥
 हृदयं अंर्यं स्वाहा ॥ ॥ पितकायमनु धाल १०८ लस अकन मय
 व चसयालस दिवक सिउपू थमनु बाल ॥ ० ॥
 हृदयं कस्तु सनलि पद्मसका ना उनुव धामि स्वाहा ॥ ॥ थमनुन
 सथनाक कथन पति धसना ॥ ० ॥ ॥ उंसिषिकू दाय
 सिद्धि र विलि र खिलि र कुरु स्वाहा ॥ ॥ धाल २१ नसा

हय
 म ३

पित
 काय

कय
 म

यति
 धर्म
 नाम

वृत्तम

उपनपावनकशला कुनाममनु ॥ ० ॥ ॐ जी जी पहणी
 वमनाय ॥ भाल २१ नलिनाहगस क्रयथयाव नामथदाव
 थक्रवव थशुल धाय धनलि खानपयाव धाय वयूषा
 ॥ ० ॥ ॐ माहाकात्राय ॐ कनाल विकनाल ॥ ॐ २२ कि
 लि २ माहाकाल काशी चं २ मरुद माहाचन्द्राय स्वाहा ॥ ॥
 भाल १ लेखउपनया सुयार्ग नव गानक जयार्ग नव हि द

मिता
वय

नयान
नव

ॐ मिषलयाहि गगयानि कउलयाहि जूमगयाहि जयया
 याहि गुनूआह्वा ॥ ॥ भाल १ ॥ यनत्रायया लेखउपलया
 गानकहिद ॥ ० ॥ ॐ किमिल २ वल २ कठ २ जी ३ रुठ ३
 भाल ३ वि लेखसगस्य उपनया वृचिनवार किमिनाहा ॥
 ॥ ० ॥ ॐ पातान वरुना वाशुकि वलि वरुहपूण गर
 छु उदं हूमिनागयाहि दू ३ रुठ स्वाहा ॥ ॥ किमिया यनकु

किमिनास०

किमा
नास

युग
लाय
या
किमि
नास

मि
क
या

यमल ॥ भाल ॥ ० ॥ ॐ नमः शिवाय स न २ य स
न २ सर्वादि प्रागाय नामनाय स्वाहा ॥ ॥ लेखक पत्र य भाल ॥
मिषा स्वाक व भानाहा ॥ ० ॥ ॐ हलिवलन स्वाहा जिजी
हूँ हूँ स्वाहा ॥ ॥ भालनयः सीमादव आयस नयावत
पत्रयो ववदहाकू लक्षा आय उकाविज लहा शाशा
स्वान युका कापत्रस पलवियाव गहावनस भवन

मिष
स्वाक
व
य

द्यातयाय मरु

द्यातयाय मरु व इला ॥ भाल ३ ॥ ० ॥ ॐ श्रीगुरु वनम
ॐ नमो कामरूपिनी स्वाहा सीकमात्रन जहायिष्यत्यहं ॥ भाल
३ ॥ स्यात् कृष्णार्जुनलि स्वर्जुगुलि गव दादाव जवस
षवसं द्युय गहावनसं सयमना लोहाकवय ॥ ० ॥

हय
मरु

ॐ ज्ञानाग्य विवाग्य धूनवाग्य सत्ररुस सुनात्रयवा धनयगुत्रज

॥ सुपाग ॥ द्रुगर्जुगुलि न ॥ स्वथामथ्यादावु कुयशला ॥

॥ धाल ३ ॥ लथ्यायशगा ॥ ॥ ॐ चं चं चं ॥ धूर्नीतव ॥

विरुतिथरुन ॥ थवक्रुग ॥ नृगलसव्य ॥ धाल ३ ॥ ग्राहाद्या

यकवचमनु ॥ ॥ ॐ गुन ॥ आह ॥ मत्रावस्वामि ॥ आह ॥ विदु

मह ॥ गवायसिदुवाल ॥ सायविचियु ॥ कार्यक्रिय ॥ दाधवकुदि

सिनिवन्धु ॥ ॐ ॥ धाल ३ ॥ वागया ॥ सिदु

॥

या ॥ क्रिया ॥ थूसाया ॥ य ॥ आदिन ॥ कुयशरसन ॥ द्वाकथरुन ॥ रुय

मदा ॥ विरुति ॥ नव ॥ चीनव ॥ जाययादाव ॥ थमवाका ॥ रुसदाव

याकागयान ॥ गणिम ॥ रुयमदा ॥ शगा ॥ ॥ ॐ ॥ ज ॥ धर्त ॥ गामा

हानगा ॥ सर्वजागीदी ॥ ज ॥ धर्त ॥ रु ॥ लात्रका ॥ जागीनी ॥ नत्रका ॥ रुनि ॥ ज

त्रका ॥ रुनि ॥ वत्रका ॥ हि ॥ मर्गी ॥ नाद ॥ विको ॥ आ ॥ रु ॥ न ॥ विदु ॥ हा ॥ क ॥ ल ॥ यि

क ॥ न ॥ यि ॥ त्रक ॥ विदु ॥ उ ॥ क्ता ॥ न ॥ रु ॥ रु ॥ म ॥ न ॥ यि ॥ म ॥ र्गी ॥ नाद ॥ वि ॥ का ॥ आ ॥ ह ॥

नथ
य

रय
म ३

ध्वमनुन लखऊपरपाव खनक अडि ननया धनकावया
 नस्यवया सेवा धरुन कपनपंगानक धाल ३ ॥ ० ॥
 उंगुनुआहा घाठय सर्व इहानी रुदुन किल २०० मरुतू वृग
 वलि अमूकस्य गान्दयदू दूदूखाहा ॥ ॥ समखान दालि
 नका एका व नाय क्वाय गान्दयक मरु शया ॥ ० ॥
 उंगुनुआहा खखखदू ॥ मानन मरु मासनक्वाय मयवद

रथ
 लीक
 दया
 म
 म
 म
 म

माल याथ

माल यागसा मरुलिक्कन मा मानमरु ॥ ० ॥
 उंगुं हं मम राजनदू ॥ धाल ३ समखान नलि आरुणवक्वाय
 मरुलिक्कन मरु ॥ ० ॥ उंशीवददायनि वषापयदू दा
 किनीजाल दूखाहा ॥ धाल ३ ध्वमनु पनपाव आकागादि
 ना दवपूजावननशुना ॥ ॥ उं उं दू ॥ दवीयात ऊपयाय
 ॥ ॥ सामागिही पत्रियुर्ह्यादाव दवपूजावन वलिवि
 विय सिद्धिकाय ॥ गहनस अमावसिस चवदग पृष्ठु मि

म
 म
 म
 म

द
 व
 व
 व

ॐ किरणं माहाकिरं वक्रकिरं स्वाहा ॥ धाल ० ध्वमनु
 चागस्याकया नुयशत्रा ॥ ० ॥ पात्रचून कस्तिनवानाव
 नक विक्रववयानाहा ॥ ॐ किरिअस्तमलि स्वाहा ॥
 ध्वमनुन हानदाकया विनदाकया नसनाय मनु ॥ ० ॥
 ध्वमनुन यसनाय
 विनदाकया ॥ धाल ३ ॥ ० ॥ ॐ किरणं माहाकिरं वक्रकिरं स्वाहा ॥

विदुषी
हान
दाक
या

यश्च किमिनास्यश्च द्वादश ॥ भवतः अहिवालयादा
काथय किमिया यामकसुय लेखजयनयामनु ॥
विषिवृद्ध ~~सिर्क्याल~~ इहस हि स्यात् दिन २१ म
स ३ नके कानकाय सर्वव्याधि सर्वभाग नाम हसिगक
याननाले ॥ मयच गुलगु वृद्धविष्य काकलेखस
स्य नानके नूनाल स्या क यिस्रया शिदशत्रा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

• सि ह्र यादि द

२५५०

ऊव

सुर्ज रणगाया ला नालागस विर्यी गरी विरय वरय नागा ॥
॥ विलकाल थखान ला कुरुस थन निलड खाल ला ना
सथन वृद्धि य वृन वृय मरु य के शत्रा ॥ ० ॥ उंसा
थस मूड ऊम काहि ना नाय ध मा कि अगिक छु क ना वा यत्र चारु रण
सर्ग माहाहाद व गु सायि क्कादि गत्रा धव कि अखय दाल पा
थ दत्र निय मा कि काल खा ला ॥ ॥ लाहा थशन वा थशन कुं वा

विर
यली
स
वृव
यम
रुय
क

धूल थशन वृ वानिया व दाल हा ला व उदा वया उंहाय के शला
॥ उंसा द ना पि व सग व वूस धि जा गी नी ऊरे द मल चिनि
हो रं रं रं खा ला खा ला ॥ ॥ थखे न थशन मष्या दा थशन लेख
ऊपत्र पाव गान के खान पूया व खन धाल ॥ वाक ना ना ॥ ॥
हं आ ॥ स घन वाद २ स घन वन वन सी घन वन कृ लिद वि
वत्र य म्मा द खा ला ॥ ॥ धाल ॥ ॥ लेख ऊपत्र पाव कुं दाल इ ल सा

उंहा
के

वाक
सना
स

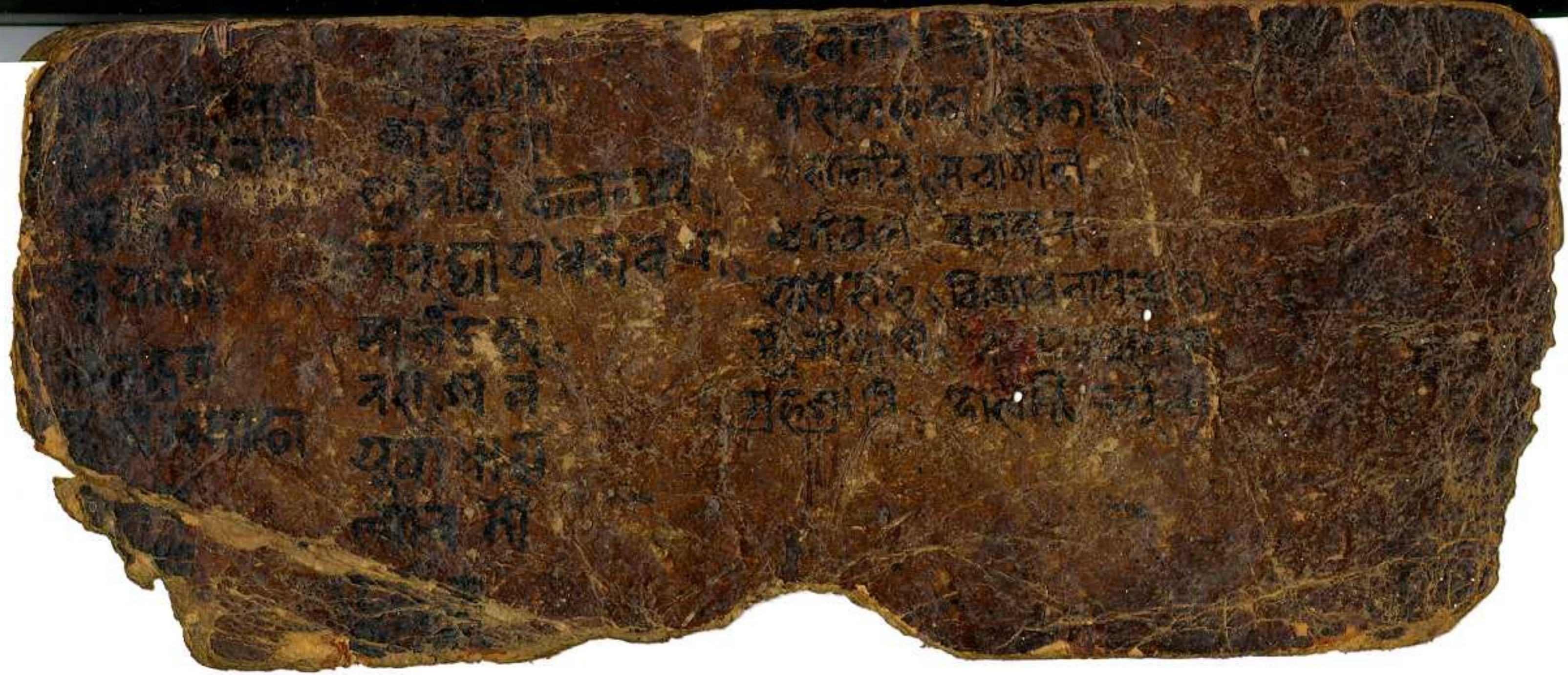
बालसुहार्ग यधनमद्रव ॥ ० ॥ ॐ मालियज्जाल लहण सर्व
 इष्टा विद्याविद्वत्सयकाना अश्रु कासमाकृत्स्वाहा ॥ ॥ धाल ॥
 गरुनिय शक सुय लकाक माल काशुधिक्षिय ॥ काषायक
 गुरुदिनाहा ॥ ० ॥ ॐ श्रीवज्रदाय विवषाययं हं किनिजाल
 सम्वली हं स्वाहा ॥ ॥ धाल ३ ॥ आकृत्स्व ॥ अपत्रपं कृयकवचश्ल
 ॥ ० ॥ ॐ मधमध यमथनिलमलकृष्ण रुनूद्र हो आह ॥ यया

सुहार्ग

कृष्ण

निस्वाहा ॥ ॥ ॐ ससर्द दत्ता ॥ निकिरी नायलका गप्रनशत्रा ॥
 ॥ ० ॥ ॐ आहानिल मालानिर्ग सर्वधिल विविजहिदामाहा
 धाल आहं हं हं कल्याणीरी स्वाहा ॥ ॥ धाल ३ ॥ धमकुन गत्र
 स्वावासि अपत्रपात्र याकाहाथदत्तय धनमकावशत्रा ॥ ॥
 ॐ गुणगुण मानय २ ॐ दं २ किनिनाहानं कामूग वमननी डवि
 माणा पात्रवति गुनू आह ॥ ॥ धाल ३ ॥ धमकुन ॐ स सपद द

१०
नम
कृष्ण



सा वलियाने इ वलिविय कुनया आदावतं परकायुहिनग
 प्र विमानपूष वलिवाच कलकाय थमकुन याकशनसामद
 यकं अदिहिकथनं भवनदायमरुयकं भवन थनकुहा मा
 लयायमरुयकशत्रा ॥ ० ॥ उं उं हानि कमयनि दमायनि
 चन्दायनि का स्वाहा ॥ ॥ भालज ॥ राहगनगमत्र पिगजालथ
 शत्र कागाय पूय शत्रा ॥ ० ॥ उं गतं उं गतं गतं २ पं

विंग
 शाल
 या

हिदनी ठकलिष्व मूना ॥ नम^क यानामथदन ॥ उं डिनमसिह
 त्रपू डनवीसिमनु कामरूतु दविपानवति दवि कामरूया
 पानवति शीगुतु आह्व ॥ ॥ भालका ॥ काकचंगलंहा आकनग्व
 दग खरुकाया याकायाव थालवियाव कृष्णल गुणका खडु
 न यागसहिन भानवाय मनेव यनगुय भावाव्यरुयक
 मनुशत्रा ॥ ० ॥ उं अग्निनी कजभाली वक्रायवि

मव
 वृय

कामालि माहादव माहाकाव महालक्ष्मी गगसग इका
कामालि वाचरुंरुं गुनूआह्ना ॥ ॥ उमत्रस्थी ऊपत्रपाव स्य
वस यत्नकालयादाव से वाग्बलस यवपियवन नित्य
शत्रा याने सुय यागन म्वनग्वल गुनक वसे नत्रकावयाय
मालदा मनुधूनदाव अदस स्वकयाय सिद्धार्थ प्राय
वायिवशत्रा ॥ • ॥ ॐ अमूकाकनय सनसिद्धिगद्यसा

यनम दाकिनी साकिनी रतगलायनकदुनि नसिद्धिश्च म्थपा
त्रवति माहावृद्ध वाय ॥ ॥ ध्वमकुन सा भन गवस इहाय
मच्छान दाव दि।हीन सदाव लिहावनदाव थथशत्रदा
व लका पत्रका आङ्गन निपात्राहागन कुगद्वियाव यत्र
य कुङ्कुन गवस हात्र कुङ्कुन विहावनहाय भनकिवि
न वृषिवान पात्राहाव याय व लि हात्र थुतिजवन

ॐ
पुनः
मम
वि
या
माल
स्या
क
ॐ

ॐ गुत्र आह ॥ ॐ सत्र गाल मूत्र मूत्र कुमिना हा हूं हूं स्वाहा ॥
भाल न मिषा हा वृत्ति नया पूय मनु शत्रा ॥ ॐ गुत्र आह लय
नाम हात ना गो जूग वता स इव नु च नु च नु ॥ ॥ भाल न ॥ सा द्वा वि
या काय गुय पूय मनु ॥ ॐ गुत्र आह ॥ गिल क म् गिल ना वि
वाय र्ही हूं स्वाहा ॥ ॥ भाल स्या क पूय भाल न ॥ ॐ गुत्र आ
ह ॥ जूक ना लि च द नि हूं हूं स्वाहा ॥ ॥ न भाल ॥ हि चि य मण ॥

हिचिय

हिचि
य

ॐ गुत्र आह ॥ दी पी स्वाहा ॥ ॥ भाल न ॥ हि चि य मनु शत्रा ॥
ॐ गुत्र आह ॥ जय कि मंग ना च दि क पा व नि ज ग म दि मा चि
भालि स्वात धमन न मा सु न ॥ ॥ भाल न ॥ विरु ति जय त या न
वात गुय जिव भाल पूय जिव ॥ ॐ गुत्र आह ॥ य
रु च ना लि यानि भानि हां हूं हूं स्वाहा ॥ ॥ भाल न ॥ हि चि य
मनु शत्रा ॥ ॐ गुत्र आह ॥ धि मि र् धि मि व दा य स्वा
का सि रु व ॥

वात
सु
हिचि
य

गोपनीयं

वा॥ ॥ धाल ॥ धमकुन वास्याक पूयमकु शत्रा॥ ० ॥
१॥ उं किं किं किं स्वाहा॥ सर्व किं स्वाहा॥ ॥ धाल ॥ ॥ यकन ऊपर पाव
वाहागस्य वास्याक पूयमकु शत्रा॥ ० ॥ उं वज्र आग्नी मां न कल दंखा
हा॥ धाल ॥ १०८ आय स्नानन कुचक थव आ मां न द्यायाय॥ ० ॥
॥ उं जी जी जी कुं गये जी जी हुं हुं स्वाहा॥ ॥ धम ३ धमकुन
मूलाय क मकु ॥ आकि व ल खवन को य ॥ ० ॥ गारुन चिंका
कापत्रस धी प्र विं यं बाल विगुष लि इथ का व विगार दं ना व सा
थत्र स धात्रा व मग याय मग न व का थव व स याय जिव ॥

धन
श्री
पञ्च
मात
यक

॥ उं रु क रु सुध क रु र ना क रु म च्छि ड ना थ आदि ना थ य र्ग गु ना थ
को मो लें गी ना थ मि ग स कि म हा प्री त या हा न द्या क रा ॥ धाल ३ ॥
गारु वा म ल पि ॥ ऊपर या जात्र ता मित्र धमकुन थव गरु
य मदा ॥ ० ॥ गायु कु ना दा व लोक वा स थ दा व च व द न ह य
जुं ग वाल कुं दू ना त्र स हि स्यं त य व द्धि कुं का या त्र गा व म द
स स्य त्र दिन वा य गात्र ग म ग त्र वि श या व डा नि त्र व न सी
आ मु कु नू का र्दी श य थ का र ना म थ र्द मि क्रि यै य ॥ सु ना न
व द ॥ श्री गणेश

धन
नै स
ह य
म द

रत्नपकहालि, खादू, लेखन निरुध पाय, मानस्याक्यालिग

पुलगु, लयुकायलस, यानचिरी, दानकादं त, वासपाक्या नाहा

॥ रहाकिमियाहा, वसिकानचिरी, लागीया वसपातसयाया, वा
गीया, कलवयक ॥ ॥ लुधि, लागीयाहा, लेखननिरुध, नानक

हिकववया नायख ॥ थसावल रिद ॥ ॥ लाव्या दाकन, स्यात्रल्वपा
य ढवख ॥ ॥ अन्नविकालयावहाय ॥ काकनयाव, विकालर

हिकवया ॥ थसावया ॥ रस्यालल्वपाय

नसा, वाकनयाव, नायख ॥ ॥ गंजिनयाव, जादूइइनयाव, विका
नइनसा, पावूनयाव नायष ॥ ॥ शिगवानइइ नयावमच्चिनसा
कूसाहु, नयाव, ढयूख ॥ ॥ रुगल्लेख, विकाल शनसा, काक
थेचालयाय ॥ ॥ वतामधि नयाव, विकालशनसा, पादूनया
व, नायष ॥ ॥ पादूनयाव, मच्चिनसा, चिनक, नायख ॥
नानयाव मच्चिनसा, वाकनयाव नायष ॥ ॥ जानया उपनइ

काया

वत्सः काठधलिनकः ढयूख ॥ ॥ धलिनयाव विकाररुनरुमः
स्य धूविनकः नायूष ॥ ॥ म्वाचनयाव मच्चिनसा विनकः ना
यूष ॥ ॥ वलनयाव विकालरुनसा ॐ म्मघिनकः नायूख ॥
॥ ॥ काधलि नयाव मच्चिनसा वाकनकः हिठष ॥ ॥
खादुजानयाव मच्चिनसा रुनलनकः डाषधि ॥ ॥ पादुवसु न
याव मच्चिनसा दुस्यानकः नायूष ॥ ॥ दुर्वमधनयाव विकार
रुनसा ॐ म्मवन कः नायूष ॥ ॥ ॐ म्मवन नयाव मनिनसा ॥

कलिनकः नायूष ॥ ॥ कलिनयाव विकाल रुनसा ॐ निनीनकः
॥ ॥ सकनयाव मच्चिनसा पीरुनानकः नायूष ॥ ॥ पादु
नयाव मच्चिनसा रुमनः चवदानकः ढयूख ॥ ॥ चवदानको
नसा इइमानकः ॥ ॥ वल्लिख भादव मच्चिनसा मचवन
क नायूष ॥ ॥ मरि धलि नयाव विकाररुनसा रुनलन
क ॥ ॥ हिनयाव मच्चिनसा रुमननकः नायूष ॥ ॥

जिनीनयाव मजिनिहम पत्रका नायूषा ॥ पत्रका नयाव
 मजिनिहम मजिनिहम मजिनिहम ॥ नसिलेख गादाव मजिनि
 सा धलनक ॥ ॥ धननकालसा इइसदा गानक ॥ ॥
 धनन विकार शत्रसा कयदानक ॥ ॥ धनकात्रसा उनन
 क ॥ ॥ नेनाकन कात्रसा लेखरुगिखनक ॥ ॥ गाकजिव
 न कात्रसा मत्रय साखन नक ॥ ॥ कामयादा कालसाजि
 गद्वननक ॥ ॥ ॐ गि जून वि काल समाफ ॥ ॐ ॥

दह विन

मजुया गुपुलि कलधूपयद दह विन जिन् सूर्जनस्यनं कननमवा
 वशना ॥ मदनरुल ॐ मिमिलि काकलेखगादास्य गानक
 वार्क पिर्कियाहिद ॥ ॥ वंहात्रायन नूपकाल लवदखाव इनाले
 क याक पिपिलि धमिड गिरागया वच्छि साखन गस्य चूर्धुया
 द कलिन बालनक वाग पिता कलयाहिद ॥ ॥ कालस्यया
 मनि जूमत्रमधि धनधरुन यना धनसम सागद्य चूर्धुयाद
 कलिन बालनक पिर्किया वाकिनीववया यासवावया नाग

पितया

वा कि

यसवाया

विजा
लेया

पनाविजः प्रिमृष्टिः चालतिमः ॥ नर्कः किमिनाहा ॥
 चालरुः चालविगहा गीनालहियाहा पादुत्रिहा गीकालिह ॥
 गिरागहा काकदासी लनर्कः समस्तवार्तिया नाहा ॥
 वानाउः पियनामलः धर्तदासी गानर्कः नुम्बउस्या कसनाहा ॥
 गमुलीस्यारुनः लेखानदासी रियुहा दासी गानर्कः वनूम्बउस्या
 कनाहा ॥ कासखासनाहा ॥ ॥ मीरुला मीकउः कलि नवा

कासखा
 सनाहा

किमि
 या
 वान
 या
 नुम्ब
 उस्या
 कस

वनर्कः कासखाहा नाहा ॥ ॥ सुधिः पियनीः धनदावूः च
 काकलेखहा दासी लनर्कः उर्द्धखाहा कौल नाहा ॥
 प्रः नचूः अखनः शाडिनीः लेखन निसीः पूष्यनद्रुः आदिग
 वालकूकू गानर्कः ॥ दायरायषा ॥ ॥ अवादिहिवालः पून
 किमिहा निसी गानर्कः वकू अतिमवनाहा ॥ ॥ अतित्रः
 मसइइवः नसी गानर्कः वकू अतिमलनाहा ॥
 गुणगुर्ह ॥ लेखकूहागानः चरागदयर्कः दासी काप

दाय
 या

अति
 मल
 नाहा

मृग
उत्त
या
मा
ल
य
या
म
ल
य
या

प्रसथस्यै गानकं मृगहृत् ॥ काशरुः कृशरुः
नगं निरीरुः लेख पुन इदं पुन लेख हृत्कः इदया वामिप्रदकं
दायकं गानकं मृगहृत् लना ॥ काशरुः कृशरुः
लीकठ वृष्टः रुस्यै गानकं मृगहृत् लना ॥ यस्व क
दिगुरुः वृष्टः लिख रुयः आदिगवाल कृष्ट विय ॥
आदुकान विर्यै गस्यै मृगहृत् लना ॥ कश्चि
प्रया मत्रयः कश्चि मृगहृत् लना वृष्टः निः वायनकं हि कृष्टव

थसा कोसा वनया ०

हि कृष्टवया ०

म
ल
य
या
म
ल
य
या

ना ॥ इनात्रं विपत्रिः कर्कशसिः रुष्टः यानयादं
यत्र कश्चिन् वायनकं थसी कासी पदया ना ॥
मृगहृत् लना वृष्टः रुस्यै गानकं मृगहृत् लना ॥
आ कना ॥ मयूषिषानरुः मायासाः उवर्त्तुः
इदन निर्यै विष्टुवीकृष्ट गानकं मयामथप्रमयाथप्रखा ॥
हायूष्वानरुः उवनिः मायासा इदन निर्यै मयुवकृष्ट

उपासन नयाव० संकीर्त० नायायन सुक० यंश्च
मर्तिन० सुनात याकाव० को० विहिनियाउं मयादयू
ष॥ ॥ नायखान० गुहायार्कसत्र कायाव० धनकाके
स० शास्त्रीमानक० दिन ६ साखेनव० जानक मगव० साइइ
कडुगव० आचउवा० वया काययाय॥ ॥ नायूकेन
वखानरु० आदिगवाले क० न्यूवयूनिन विसीगसी० मया

मया
दय

श्री

चउवया

मदयूषं॥ ॥ नायूखानरु० गत्रउस विसीगसी० गत्रउनाहा
॥ ॥ नायूअूपनातिरु० साधन० यात्राव नक० गत्रउनाहा
॥ ॥ धरुनदरु० जवनारुतस० विसीगसी० नाजाववे
नख॥ ॥ सुर्जगतायारु० जवनारुतस० विसीगसी०
विरय मूरयनाहा॥ ॥ सु० जवनारुतसवि
सीगसी० विरयनाहा॥ ॥ ॥ खइतसने०

मंल
द
नास

तथा अत्रिः ।